नवभारत
भोपाल, गुरूवार 12 मार्च, 2026

एक नजर में

जनगणना : अधिकारियों का हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण

गुना। राष्ट्रीय जनगणना 2027 के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन तकनीकी तैयारियों में जुट गया है। इसी क्रम में, मकान सूचीकरण और मकानों की गणना से जुड़ी गतिविधियों को डिजिटल रूप से सुदृढ़ करने के लिए 12 मार्च 2026 को जिला मुख्यालय स्थित ई-दक्ष केंद्र में एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना जिला प्रभारी श्री मनोज कनाडे की विशेष उपस्थिति रहेगी। जिले के सभी चार्ज अधिकारियों और जनगणना लिपिकों को टेस्ट सीएमएमएस पोर्टल पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र पोर्टल का व्यावहारिक उपयोग, सटीक डेटा प्रविष्टि और मकान सूचीकरण की जटिल प्रक्रियाओं को समझना होगा। प्रशिक्षण का प्राथमिक उद्देश्य जनगणना 2027 के प्रथम चरण की गतिविधियों को त्रुटिहीन और प्रभावी ढंग से संचालित करना है।

सूने घर में आगजनी से गृहस्थी जलकर खाक

गुना। शहर के बूढ़े बालाजी हरिपुर रोड क्षेत्र में बुधवार सुबह एक हृदय विदारक घटना सामने आई, जहां एक परिवार के आशियाने में अचानक भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में परिवार का सब कुछ जलकर खाक हो गया है। पीड़ित परिवार ने अब प्रशासन से आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक घटना सुबह करीब 10 बजे की है। घर की मुखिया रानी सरवैया एक शादी समारोह में शामिल होने पवन कॉलोनी गई हुई थीं। इसी दौरान उनके सूने घर से आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते पूरा घर आग की चपेट में आ गया। रानी सरवैया को जब पड़ोसियों ने फोन पर सूचना दी, तब वे बदहवास होकर मौके पर पहुँचीं।

महायुद्ध की आंच अब आम आदमी की रसोई तक

गुना में गहराया एलपीजी संकट, गैस सिलेंडर के लिए मची हाहाकार

मोबाइल से नहीं लग पा रहे बुकिंग हेतु नंबर

एजेंसियों के दफ्तर में उपभोक्ताओं का हुजूम

प्रशासन ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

नवभारत न्यूज

गुना 11 मार्च का। वैश्विक स्तर पर छिड़े इजराइल-ईरान युद्ध का सीधा और भयावह असर अब भारत के घरेलू बाजारों और आम आदमी की बुनियादी जरूरतों पर पड़ना शुरू हो गया है। पेट्रोलियम पदार्थों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण रसोई गैस (एलपीजी) का संकट गहरा गया है।

गुना जिले में स्थिति यह है कि कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा दी गई चेतावनी के महज 24 घंटे के भीतर ही गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। पूरे शहर में रसोई चूल्हे बुझने की चिंता की लहर दौड़ गई है और प्रशासन फिलहाल इस स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट करने में असमर्थ नजर आ रहा है। केंद्रीय स्तर से मिले निर्देशों का ही पालन किया जा रहा है। एलपीजी संकट की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरकार ने गैस सिलेंडर रिफिल कराने की समय-सीमा में बड़ा बदलाव कर दिया है। पहले जहाँ उपभोक्ता 21 दिनों के अंतराल पर अपने अगले सिलेंडर की बुकिंग कर सकते थे, अब उस अवधि को बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। समय-सीमा में इस इजाफे ने मध्यमवर्गीय परिवारों के गणित को बिगाड़ कर रख दिया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि एक तरफ महंगाई चरम पर है, वहीं दूसरी ओर अब समय पर ईंधन न मिलने से रोजमर्रा का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाएगा।

तकनीकी विफलता और 'नंबर' न लगने से फैला हड़कंप

सबसे बड़ी समस्या तब खड़ी हुई जब उपभोक्ताओं ने नए नियमों के तहत ऑनलाइन बुकिंग करने का प्रयास किया। जिलेभर से यह शिकायतें आ रही हैं कि संबंधित पेट्रोलियम कंपनियों के आधिकारिक बुकिंग नंबर या तो लगातार 'बिजी' बता रहे हैं या फिर कॉल कनेक्ट ही नहीं हो पा रही है। मोबाइल ऐप ठप होने की वजह से आम जनता में हड़कंप मच गया है। परेशान उपभोक्ता जब सीधे गैस एजेंसियों के दफ्तरों का रुख कर रहे हैं, तो वहां से भी उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। एजेंसी संचालकों का कहना है कि वे अपने स्तर पर मैन्युअल बुकिंग नहीं ले सकते और उपभोक्ताओं को अनिवार्य रूप से कंपनी के निर्धारित नंबरों से ही बुकिंग करनी होगी।

होटल और रेस्टोरेंट संचालकों में मची अफरा-तफरी

रसोई गैस की इस किल्लत ने व्यापारिक जगत, विशेषकर होटल और रेस्टोरेंट कारोबार को सबसे ज्यादा चोट पहुँचाई है। कलेक्टर द्वारा एक दिन पहले दी गई 'वैकल्पिक ईंधन' (जैसे डीजल भट्टी या कोयला) इस्तेमाल करने की सलाह के बाद रेस्टोरेंट संचालक अब डीजल भट्टियों की तलाश में भटक रहे हैं। विडंबना यह है कि युद्ध की परिस्थितियों के कारण सप्लायर समय पर नई डीजल भट्टियां पहुंचाने में असमर्थता जता रहे हैं। संचालकों का दावा है कि यदि अगले कुछ दिनों में स्थिति नहीं सुधरी, तो उन्हें अपने संस्थान बंद करने पड़ सकते हैं, जिससे शहर की खान-पान व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी।

प्रशासन ने जारी किए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर

उधर, जिला प्रशासन ने कहा है कि वर्तमान में इजराइल-ईरान युद्ध के चलते पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति को लेकर फैली अनिश्चितता और गैस सिलेंडर की बुकिंग अवधि में हुए बदलाव के बीच भारत सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाए हैं। यदि कोई गैस डीलर सिलेंडर देने में अनावश्यक देरी करता है, कृत्रिम कमी बताकर कालाबाजारी करता है या निर्धारित एमआरपी से अधिक पैसों की मांग करता है, तो उपभोक्ता अब सीधे संबंधित कंपनी के आधिकारिक हेल्पलाइन नंबरों पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ता अपनी संबंधित कंपनी के अनुसार नंबरों का उपयोग कर सकते हैं-

इंडेन गैस: यदि डीलर सिलेंडर देने में मना करे या देरी करे, तो टोल-फ्री नंबर 1800-2333-555 पर कॉल करें। इसके अलावा बुकिंग और शिकायत के लिए 718955555 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

भारत गैस: भारत गैस के उपभोक्ता किसी भी प्रकार की अनियमितता के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-22-4344 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। गैस बुकिंग के लिए 7715012345 नंबर जारी किया गया है। उपभोक्ता मोबाइल ऐप या वेबसाइट का सहारा भी ले सकते हैं।

एचपी गैस: एचपी के ग्राहक डिलीवरी न मिलने या अधिक कीमत वसूलने की स्थिति में टोल-फ्री नंबर 1800-2333-555 अथवा हेल्पलाइन नंबर नंबर 9493602222 पर अपनी समस्या बता सकते हैं।

उपभोक्ताओं के लिए जरूरी सलाह और नियम

प्रशासन और पेट्रोलियम कंपनियों ने उपभोक्ताओं को जागरूक रहने के लिए कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं:

अधिकृत डीलर: हमेशा अपनी रजिस्टर्ड एजेंसी या अधिकृत डीलर से ही सिलेंडर लें।

रसीद अनिवार्य: डिलीवरी लेते समय भुगतान की पक्की रसीद अवश्य मांगें।

एमआरपी का ध्यान: रसीद पर अंकित राशि (टफढ) से एक भी रुपया अतिरिक्त न दें।

शिकायत में न हिचकें: यदि एजेंसी संचालक सिलेंडर देने से मना करता है या अभद्रता करता है, तो तुरंत उपरोक्त नंबरों पर शिकायत दर्ज करें। जांच सही पाए जाने पर डीलर के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

घबराने की जरूरत नहीं: सरकार और स्थानीय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल घरेलू एलपीजी की सप्लाई सामान्य रूप से संचालित की जा रही है। उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान देने या 'पैनिक बुकिंग' करने की आवश्यकता नहीं है। यदि कहीं भी ब्लैक मार्केटिंग या अनियमितता की शिकायत मिलती है, तो प्रशासन उस पर त्वरित एक्शन लेगा।

प्रशासन की चुप्पी और बढ़ती अनिश्चितता

इस पूरे मामले में सबसे चिंताजनक पहलू पेट्रोलियम कंपनियों के बड़े अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन की चुप्पी है। कलेक्टर ने संकट के संकेत तो दिए हैं, लेकिन भविष्य की ठोस योजना या आपूर्ति बहाल होने के समय को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की जा रही है। बड़ी कंपनियों के अधिकारी इस संवेदनशील मुद्दे पर कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से बच रहे हैं, जिससे बाजार में कालाबाजारी और जमाखोरी की आशंका भी बढ़ने लगी है। गुना शहर के हर नुक्कड़ और गली में आज केवल रसोई गैस की ही चर्चा है। लोग डरे हुए हैं कि यदि युद्ध और लंबा खिंचा, तो कहीं सिलेंडर मिलना पूरी तरह बंद न हो जाए। फिलहाल, गैस एजेंसियों पर बढ़ती भीड़ और अधिकारियों की रहस्यमयी चुप्पी ने गुना में एक अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है।

जनगणना : सीएमओ ने किया मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण

गुना। आगामी राष्ट्रीय जनगणना के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) सुश्री मंजुषा खत्री ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे मकान सूचीकरण और नंबरिंग कार्य का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खत्री के साथ जनगणना कार्य निदेशालय से गुना जिले के प्रभारी मनोज कनाडे भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने फील्ड स्टाफ को निर्देशित किया कि प्रत्येक भवन और मकान पर नंबर अंकित करते समय पूर्ण सावधानी बरती जाए ताकि कोई त्रुटि न हो। सीएमओ ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि मकानों पर नंबर ऐसे स्थान पर डाले जाएं, जो आसानी से दृश्य हों, ताकि भविष्य में गणना कर्मियों को पहचान करने में कोई असुविधा न हो। प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने जनगणना को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य बताते हुए आमजन से सहयोग की अपेक्षा की है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि जब गणना कर्मी उनके घर पहुंचें, तो उन्हें सही और सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं। मकानों पर डाले जा रहे नंबरों के साथ छेड़छाड़ न करें, क्योंकि यह डेटा देश की आगामी योजनाओं और नीतियों के निर्धारण में मील का पत्थर साबित होगा।

सोजना में अतिक्रमण हटाने के दौरान विवाद, जेसीबी के सामने लेटीं महिलाएं

गुना। जिले के बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सोजना मोजा में बुधवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब वन विभाग की टीम भारी पुलिस बल और तीन-चार जेसीबी मशीनों के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंच गई। कार्रवाई के दौरान वन विभाग के अमले और ग्रामीणों के बीच तीखी बहस और झूमा-झटकी हुई। कार्रवाई का विरोध करते हुए परिवार की महिलाएं मशीनों के आगे लेट गईं।

दरअसल, हिलगना बीट गुना दक्षिण वन परिक्षेत्र की करीब 100 से 150 बीघा जमीन पर कई परिवार काबिज हैं। ग्रामीणों का दावा है कि वे यहां वर्ष 1970 से पहले, यानी लगभग तीन-चार पीढ़ियों से रह रहे हैं और खेती कर रहे हैं। कुछ परिवारों ने जमीन का पट्टा होने का दावा भी किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है, इसके बावजूद विभाग जबरन बेदखल करने की कार्रवाई कर रहा है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मुख्य वन संरक्षक के आदेशानुसार इस जमीन पर प्लांटेशन कार्य स्वीकृत किया गया है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि विभाग बार-बार सर्वे तो करता है, लेकिन उन्हें आज तक प्लांटेशन से संबंधित कोई भी लिखित आदेश या दस्तावेज नहीं दिखाया गया है। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद महिलाओं ने वन विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों पर अभद्रता करने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें बिना किसी ठोस आधार के उनकी पुश्तैनी जमीन से बेदखल किया जा रहा है, जबकि उनके पास यहां रहने के पुराने प्रमाण मौजूद हैं। फिलहाल, वन विभाग ने जमीन को अपने कब्जे में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन ग्रामीणों में इस कार्रवाई को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है।

गुना पुलिस का अवैध शराब के विरुद्ध 'सर्जिकल स्ट्राइक'

गुना। जिला पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबारियों और माफियाओं के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राघौगढ़ थाना क्षेत्र में एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने ग्राम राजपुरा स्थित कंजर डेरों पर भारी बल के साथ दबिश देकर अवैध शराब निर्माण की भट्टियों को ध्वस्त किया और मौके पर भारी मात्रा में लहान नष्ट किया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर और एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे के मार्गदर्शन में 10 मार्च 2026 को राघौगढ़ इंचार्ज थाना प्रभारी रसना राजावत के नेतृत्व में राघौगढ़, विजयपुर और धरनावदा थानों सहित पुलिस लाइन के भारी बल ने राजपुरा के कंजर डेरों की घेराबंदी की। यहाँ लंबे समय से अवैध शराब निर्माण की सूचनाएं मिल रही थीं, जिसे पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए थे। सर्चिंग के दौरान पुलिस को डेरों के आसपास जमीन में गढ़े हुए ड्रमों और गड्ढों में करीब 1,500 लीटर लहान मिला, जिसे शराब बनाने के लिए तैयार किया गया था। पुलिस ने मौके पर ही इस लहान और शराब बनाने वाली भट्टियों व अन्य सामग्रियों को नष्ट कर दिया। नष्ट किए गए लहान की अनुमानित कीमत करीब 1.50 लाख रुपये बताई जा रही है। कार्यवाही के दौरान पुलिस ने राहुल पुत्र सोनू कंजर (19 वर्ष), निवासी राजपुरा, फूल सिंह पुत्र मिश्रीलाल विश्वकर्मा (46 वर्ष), निवासी राजपुरा को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 118 लीटर अवैध कच्ची शराब (कीमत 12,000 रुपये) और तस्करी में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल (कीमत 80,000 रुपये) जब्त की गई है। कुल मशरूका 92 हजार रुपये का आंका गया है। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इस बड़ी कार्यवाही में राघौगढ़, विजयपुर और धरनावदा थाने के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल रहा।

मृगवास क्षेत्र में 2 लाख के गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुना। मृगवास थाना पुलिस ने घेराबंदी कर एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से करीब 4.128 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 2 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक मृगवास थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुशवाह को 10 मार्च 2026 को सटीक सूचना मिली थी कि बांसाहेड़ा रोड पर ग्राम मदागन के कच्चे रास्ते पर एक व्यक्ति बैग में नशीला पदार्थ लेकर खड़ा है। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखते ही संदिग्ध ने भागने का प्रयास किया, लेकिन सतर्क पुलिस बल ने उसे चारों ओर से घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नैना उर्फ नैनकराम मीना उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम आम्बेह बताया।

जब उसके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें से 4.128 किलो अवैध गांजा निकला। मृगवास पुलिस ने मादक पदार्थ को विधिवत जब्त कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब आरोपी के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक्स की जांच कर रही है ताकि इस तस्करी के पूरे नेटवर्क और मुख्य स्त्रोतों का पता लगाया जा सके।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को दिए प्रबंधन के गुर

गुना। जिले के किसानों को आधुनिक और लाभप्रद खेती से जोड़ने के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन एवं उपसंचालक कृषि संजीव कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में 'आत्मा योजना' के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का मुख्य केंद्र 'नरवाई (पराली) प्रबंधन' रहा, जहाँ वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले दूरगामी नुकसानों के प्रति सचेत किया। परिचर्चा के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि खेतों में नरवाई जलाने से न केवल वायु प्रदूषण फैलता है।

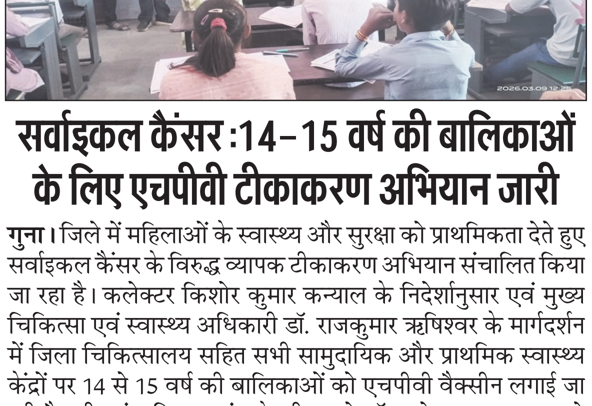

सर्वाइकल कैंसर : 14-15 वर्ष की बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान जारी

गुना। जिले में महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध व्यापक टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेर्शानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय सहित सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है। बीनागंज विकासखंड के बीएमओ डॉ. राजेश कुमार पुष्पक ने अभियान को सफल बनाने के लिए समस्त आशा कार्यकताओं को ग्रामवार लक्षित बालिकाओं की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सीएचओ और एएनएम को भी फील्ड में सक्रिय रहकर टीकाकरण कार्य सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। बीएमओ ने स्पष्ट किया कि इस घातक बीमारी से बचाव के लिए जनजागरूकता गतिविधियाँ और व्यापक प्रचार-प्रसार निरंतर जारी है। टीकाकरण के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए हाई स्कूल बटावदा में विशेष सत्र आयोजित किया गया। यहाँ आरबीएसके एमओ डॉ. अमित जायसवाल, बीपीएम जितेन्द्र सेन और तकनीकी पर्यवेक्षक प्रदीप सेन ने विद्यार्थियों और स्टाफ को एचपीवी वैक्सीन के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान डॉ. अमित जायसवाल ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया।

त्वरित कार्रवाई | **जनसुनवाई में आवेदक ने दिया था कलेक्टर को कब्जे का आवेदन**

'मोबाइल कोर्ट' ने सुलझाया टोरिया का 3 वर्ष पुराना रास्ता विवाद

नवभारत न्यूज

गुना। जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'मोबाइल कोर्ट' के सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखने लगे हैं। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की मंशा के अनुरूप, भूमि संबंधी विवादों के त्वरित निराकरण के लिए संचालित इस व्यवस्था ने बुधवार को ग्राम टोरिया में पिछले तीन वर्षों से लंबित एक जटिल रास्ता विवाद का मौके पर ही समाधान कर दिया।

जानकारी के अनुसार, तहसील गुना ग्रामीण के ग्राम टोरिया की अहिरवार बस्ती का मुख्य आवागमन मार्ग पिछले तीन वर्षों से आपसी विवाद के कारण बंद पड़ा था। इस अवरोध की वजह से बस्ती के स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को मुख्य सड़क तक पहुँचने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती थी। लंबे समय से विवाद सुलझ न पाने के कारण दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी, जिससे सामाजिक समरसता भी प्रभावित हो रही थी। कलेक्टर के मार्गदर्शन में इस संवेदनशील प्रकरण को मोबाइल कोर्ट के लिए चिन्हित किया गया। राजस्व और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम आधुनिक मशीनों के साथ मौके पर पहुँची। सबसे पहले विवादित स्थल का वैज्ञानिक पद्धति से सीमांकन किया गया। इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीमती शिवानी पाण्डे और अन्य तहसीलदारों ने दोनों पक्षों के प्रबुद्धजनों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। उन्हें सार्वजनिक रास्ते के महत्व और आपसी भाईचारे के लाभ समझाए गए। प्रशासन की संवेदनशीलता और तार्किक समझाइश का असर यह हुआ कि दोनों पक्ष आपसी सहमति पर पहुँच गए। सहमति बनते ही बिना किसी देरी के मौके पर मौजूद जेसीबी मशीन की सहायता से वर्षों पुराने पत्थरों और कटीली झाड़ियों के अवरोधों को साफ कर दिया गया। रास्ता खुलते ही ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही की सराहना की।

भागवत कथा में गिरिराज धारण प्रसंग पर उमड़ा जनसैलाब, गोवर्धन पूजा कर लगाया 56 भोग

गुना। शहर में बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। कथा व्यास आचार्य सौरभ भार्गव ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का वर्णन करते हुए गोवर्धन पर्वत की पूजा अर्चना की, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। कथा के दौरान आचार्य श्री ने कालिया देह दहन का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि कैसे कन्हैया ने यमुना जी में गेंद फेंकने के बहाने छलांग लगाई और कालिया नाग का वध कर उसका उद्धार किया। इसके पश्चात, इंद्र के अहंकार और ब्रजवासियों पर उनके कोप की कथा सुनाई गई।

भगवान कृष्ण ने अपनी कनिष्ठ उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत उठाकर सात दिनों तक ब्रजवासियों की रक्षा की, जिससे देवराज इंद्र का अभिमान चकनाचूर हो गया। श्रद्धालुओं ने गिरिराज जी की पूजा-अर्चना की और भगवान को 56 भोग अर्पित किए।

एजेंसी देना है

नवभारत एवं सेंट्रल क्रॉनिकल गुना जिले के बमोरी म्याना सिरसी जामनेर सांडा कॉलोनी अबान रुठियाई बजरंगगढ़ झगर मे एजेंसी देना है।

संपर्क करें- नवभारत कार्यालय हनुमान चौराहा के कैंट रोड गुना
मो.नं.-9425119739, भूपेन्द्र भोपाल प्रेस -782854007